गिरिजा नन्दन गणपति | By Pt. Ravinder Sharma

जय गणेश, गणपति जी, गिरिजा के नंदन
विनती सुन लीजिये मैं करता हूँ वन्दन
करता हूँ वन्दन .....

जय गणेश गणपति जी गिरिजा के नंदन
विनती सुन लीजिए मैं करता हूँ वन्दन

करते हैं देव मनुज सर्वोप्रथम पूजा
हे दयालु दीनबंधु तुमसा ना दूजा
विघ्नविनाशक हो तुम एकदन्त धारी
लम्बोदर करते हो मूसे की सवारी
मस्तक सिन्दूर चढ़े और चढ़े चन्दन
विनती सुन लीजिए मैं करता हूँ वन्दन
जय गणेश गणपति जी गिरिजा के नंदन

मस्तर असुर ने शिव वरदान पाया
पृथ्वी पाताल इंद्र आसन हिलाया
देवो के महादेव शंकर भी हारे
दुखी होके गणराज तुमको पुकारे
वक्रतुण्ड विकट रूप बन गए दु:ख भन्जन
विनती सुन लीजिए मैं करता हूँ वन्दन
जय गणेश गणपति जी गिरिजा के नंदन

गुण निधान ज्ञानवंत रिद्धि सिद्धि दाता
ज्ञान का प्रकाश भेद भी तुम्ही से पाता
जो भी मांगे दयावन्त चारों फल पाए
बैजू गणराज चरण शीश नित झुकाये
ब्रह्मा विष्णु तुम्हे कहें दुष्टों के निकंदन
विनती सुन लीजिए मैं करता हूँ वन्दन
जय गणेश गणपति जी गिरिजा के नंदन

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%a8%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%a8-%e0%a4%97%e0%a4%a3%e0%a4%aa%e0%a4%a4%e0%a4%bf-by-pt-ravinder-sharma/